RNI No#MPBIL/2013/49052

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट ऐवेन्यूस

भोपाल, शनिवार, 29 अप्रैल से 05 मई-2023 | भोपाल, मध्यप्रदेश से प्रकाशित | वर्ष-11 | अंक- 04 | पृष्ठ-8 | मूल्य- रु. 5/-

इनकम टैक्स भरने जा रहे हैं तो ये गलती ना करें

भोपाल। नए फायनेंशियल इयर का इनकम टैक्स रिटर्न भरने जा रहे हैं तो सावधानी रखिये। एक गलती भी आपको भारी पड़ सकता है। अगर आपको भी इनकम टैक्स रिटर्न भरना है तो यह खबर आपके काम की है। वित्त वर्ष 2023-24 के आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए ऑफलाइन आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म जारी किए हैं। टैक्स रिजीम ऐसे में आपको नए टैक्स रिजीम से इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करना है या फिर पुराने टैक्स रिजीम से इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करना है, इसके बारे में आपको सोच समझकर चुनाव करना होगा। अगर आप नए टैक्स रिजीम में इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करना शुरू कर देते हैं तो फिर पुराने टैक्स रिजीम में स्विच करने में परेशानी होगी। ऐसे में ये फैसला संभलकर और अपनी जरूरतों को ध्यान में रखकर लेना होगा।

लोग ऐसे भर सकेंगे आईटीआर-1 और आईटीआर-4 : इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की वेबसाइट के अनुसार, 'असेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 की एक्सेल यूटिलिटी फाइलिंग के लिए उपलब्ध हैं'। आईटीआर-1 ऐसे लोगों के लिए जिनकी कुल आय 50 लाख रुपये से कम या 50 लाख रुपये तक है. साथ ही उनके पास एक घर और अन्य स्रोत व कृषि से प्राप्त आय 5,000 रुपये तक है। इसके अलावा आईटीआर-4 इंडिविजुअल और हिंदू अविभाजित परिवार के लिए है।

इन लोगों के लिए है ITR-4: यदि आपकी आय बिजनेस या किसी पेशे जैसे डॉक्टरी-वकालत से सेक्शन के तहत 50 लाख रुपये से ज्यादा या 5000 रुपये तक की कृषि से आमदनी है तो आपके लिए ITR-4 है। ऑफलाइन मैथड में टैक्सपेयर्स को संबंधित फॉर्म डाउनलोड करना होगा। इसके बाद इसे भरकर डिपार्टमेंट के पोर्टल पर अपलोड करना होगा। हालांकि, दूसरी तरफ ऑनलाइन फॉर्म में टैक्सपेयर सीधे इनकम टैक्स पोर्टल पर अपनी इनकम के बारे में जानकारी दे सकते हैं। सैलरीड क्लॉस व्यक्तियों को अपना आईटीआर आसानी से फाइल करने के लिए नियोक्ता की तरफ से जारी किया गया फॉर्म-16 जरूरी होगा। एम्पलायर की तरफ से फॉर्म-16 जारी किये जाने की अंतिम तिथि 15 जून है। ऐसे टैक्सपेयर्स के खातों को ऑडिट करने की जरूरत नहीं होती। फॉर्म-16 के बेस पर आप 31 जुलाई 2023 तक आयकर रिटर्न फाइल कर सकते हैं। अपने आप आयकर रिटर्न दाखिल करना जटिल लग सकता है, खासकर यदि आप इसे पहली बार कर रहे हैं। हालांकि ई-फाइलिंग वेबसाइट पर हाल के संशोधनों ने किसी भी टैक्स पेशेवर की मदद के बिना आईटीआर फाइल करना आसान बना दिया है। पूरी आईटीआर फाइलिंग प्रक्रिया को वास्तव में आसान बना दिया गया है, खासकर वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए जिनके पास वेतन के अलावा आय का कोई अन्य स्रोत नहीं है। अगर इनकम टैक्स भरने वाले हैं तो पांच बातों का काफी ध्यान रखना चाहिए :-

सभी आवश्यक दस्तावेज : आपको अपना आईटीआर फाइल करने के लिए फॉर्म 16, 26एएस, एआईएस/टीआईएस, बैंक स्टेटमेंट, निवेश दस्तावेज, किराए की रसीद आदि जैसे विभिन्न दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। इसलिए आईटीआर रिटर्न फाइल करना शुरू करने से पहले आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आपके पास सभी दस्तावेज मौजूद हैं, या तो फिजिकल रूप से या फिर इनकी सॉफ्टी कॉपी आपके पास होनी चाहिए।

इनकम के सोर्स: आपको यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि आपको अपने सभी आय स्रोतों की स्पष्ट समझ है। जैसे कि वेतन, घर का किराया, व्यावसायिक आय, पूंजीगत लाभ आय इत्यादि। यह आपको सही फॉर्म भरने में मदद करेगा और उन सभी कटौतियों का दावा करेगा जिनके आप हकदार हैं।

सही आईटीआर फॉर्म : विभिन्न प्रकार की आय और करदाताओं के लिए अलग-अलग आईटीआर फॉर्म मौजूद हैं। सुनिश्चित करें कि आप अपने आय स्रोतों और करदाता की श्रेणी के आधार पर सही आईटीआर फॉर्म चुनते हैं।

टैक्सेबल इनकम की गणना : आईटीआर फाइल करने से पहले आपको अपनी कर योग्य आय की गणना करने के लिए आयकर कैलकुलेटर का उपयोग करना चाहिए।

छूट : आईटीआर दाखिल करते समय करदाताओं को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि वे उन सभी कटौतियों और छूटों का दावा कर रहे हैं, जिनके लिए वे पात्र हैं, जैसे कि धारा 80सी, धारा 80डी, वगैरह के तहत उपलब्ध हैं। यह आपकी टैक्स योग्य आय को कम करने और आपकी टैक्स देनदारी को कम करने में मदद करेगा।

एक अच्छा निवेशक बनने के लिए क्या करना होगा? बस करने हैं 3 काम

शेयर मार्केट में पैसे लगाने वाला हर शख्स एक अच्छा निवेशक बनना चाहता है। एक अच्छा निवेशक दूसरे निवेशकों के लिए एक प्रेरक व्यक्ति के रूप में भी कार्य करता हैं। अगर आप भी एक अच्छे निवेशक के तरह शेयर मार्केट से पैसे कमाना चाहते हैं तो आपको बहुत कुछ सीखने की आवश्यककता है। लंबे समय में पैसा कमाने के लिए धैर्य रखना बहुत आवश्यक है। धैर्य उन्हीं तीनों चीजों में से एक है और बाकी की दो चीजें हैं सही स्ट्रैटजी और बाजार की समझ पर निर्भर करती है।

प्रदीप करम्बेलकर
बीएनआई भोपाल, एक्जीक्यूटिव डॉयरेक्टर
टाई (TIE) एमपी प्रसीडेंट

शेयर मार्केट में निवेश के लिए एक अच्छे निवेशक की स्ट्रैटजी सटीक होनी चाहिए, लेकिन इसके बावजूद भी मार्केट के कई उतार-चढ़ाव देखने पड़ते हैं। इस बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि कई निवेशकों को इक्विटी में जो रिटर्न आया वो हर वर्ष बराबर नहीं था। कई बार ऐसा समय भी आया है, जब कोई रिटर्न नहीं बना। इसी तरह आपको भी कई वर्षों तक बिना रिटर्न के भी रहना पड़ सकता है। ऐसे में आपको समय में आपको लॉन्ग टर्म एसेट एलोकेशन में ज्यादा छेड़खानी नहीं करनी चाहिए। शेयर मार्केट से अधिक रिटर्न पाने के लिए आपको धैर्य रखना बहुत आवश्यक है। एक जमाने में जेके ग्रुप, मोहनलाल ग्रुप, थापर ग्रुप आदि डॉमिनेट करते थे। फिर बीच में पीएसयू का बहुत टाइम आया। जहां तक असेट अलोकेशन का प्रश्न है, तो मार्केट जब भी फ्लाट रहेगी या थोड़ी नीचे आएगी, तब अगर आप एक दम से भाग जाएंगे तो आपको रिटर्न नहीं मिलेगा। जबकि आप पिछले 40 वर्ष का रिटर्न देखें, तो उस समय के 100 रुपये आज 44 हजार रुपये बन चुके हैं। लेकिन अगर 40 वर्षों में जो 10 सबसे अच्छे दिन थे, वो अगर आपने मिस कर दिए, तो आपका दो-तिहाई रिटर्न का नुकसान झेलना पड़ेगा।

किसी का निवेशक का सुपर पावर यही होता है कि वो ये समझ सकता है कि इक्विटी का रिटर्न कैसा होता है। जब बाजार ज्यादा अच्छा नहीं कर रहा होता है तब ज्यादातर ये दिन आते हैं कि लोग अपना शेयर निकालकर भागना चाहते हैं। अच्छे रिटर्न के लिए आपको लंबा इंतजार करना पड़ता है। आपको इस चीज को समझते हुए जब मार्केट डाउन का समय चल रहा हो तो पूरी तरह से भागने की बजाय धैर्य के साथ उसमें बने रहना चाहिए। ताकि आने समय में आपको अच्छा रिटर्न मिल सके। इसके लिए आपको काफी धैर्य रखने की आवश्यकता है।

आखिर क्या है इनकम टैक्स कैलकुलेटर?

इनकम टैक्स कैलकुलेटर एक ऑनलाइन टूल या तरीका है, जिसके जरिए कोई भी करदाता किसी वित्त वर्ष के लिए अपनी टैक्स गणना का अनुमान लगा सकता है। हर वर्ष बजट में केंद्र सरकार आयकर के स्लैब अथवा टैक्स की दर का एलान करती है। इसी के हिसाब से आप इस कैलकुलेटर का उपयोग करते हुए अपना टैक्स पता कर सकते है, जो आपकी आय पर देय होगा। इसके जरिए आयकर रिटर्न को भी आसानी से भरा जा सकता है।

कैसे कर सकते हैं इनकम टैक्स कैलकुलेटर (Online Income Tax Calculator) का उपयोग?

इनकम टैक्स कैलकुलेटर को इन तरीकों से उपयोग कर सकते हैं- सबसे पहले वो वित्त वर्ष चुने जिसके लिए आप अपने आयकर की गणना करना चाहते हैं। इसके बाद अपनी उम्र बताएं। आयकर की गणना में उम्र का बहुत बड़ा महत्व होता है। इसके बाद अपनी कर योग्य आय को सबमिट करें। कर योग्य आय में आपको एचआरए, एलटीए और स्टैंडर्ड डिडक्शन को माइनस करना होगा। कर योग्य आय में आपको ब्याज से होने वाली आय, किराये से होने वाली आय, होम लोन पर ब्याज और खुद की प्रॉपर्टी पर लिए गए लोन के ब्याज का भुगतान करना होगा। फिर अब आपको आयकर की धारा 80सी, 80डी, 80जी, 80ई और 80टीटीए के तहत किए गए निवेश के बारे में जानकारी देनी होगी। अब आपको इसके बाद अपनी कर की देनदारी को कैलकुलेट करना होगा।

एचआरए की गणना कैसे होगी?

हमें पहले यह समझना होगा कि मकान किराया भत्ते पर इनकम टैक्स छूट पाने के हकदार कौन लोग हैं। इसके लिए सबसे जरूरी बात यह है कि आपको तनख्वाह में मकान किराया भत्ता मिलता है और जिस मकान का किराया आप अदा करने का दावा कर रहे हैं, वह आप ही के नाम नहीं होनी चाहिए। आयकर कानून की धारा 10(13ए) के तहत किसी भी वेतनभोगी को उसके मूल वेतन का 50 फीसदी, एचआरए के मद में मिलने वाली रकम या चुकाए गए वास्तविक किराये में से मूल वेतन का 10 फीसदी घटाने पर बची तीन रकमों में से सबसे कम रकम पर आयकर से छूट मिलती है। यदि किसी व्यक्ति को 25,000 रुपये मूल वेतन के रूप में प्राप्त होते हैं। इसमें से 12,500 रुपये एचआरए के मद में और वह 12,500 रुपये ही वास्तव में किराया देता है, तो उसे 10,000 रुपये पर ही छूट मिल पाएगी। दरअसल, चुकाए गए किराये की रकम (12,500) में से मूल वेतन का 10 फीसदी (2,500) घटाने पर यही रकम बचती है। एक और याद रखने लायक बात यह है कि अगर आप सालाना 1,00,000 रुपये (यानी 8,333 रुपये प्रतिमाह) से ज्यादा किराया दे रहे हैं, तो मकान-मालिक (भले ही वे मां या पिता या पत्नी हों) का पैन नंबर दर्ज किया जाना भी अनिवार्य है, और उन्हें इस आमदनी पर टैक्स देना होगा। याद रहे, मकान किराया भत्ते पर आयकर छूट पाने के लिए ज़रूरी है कि घर किराया देने वाले की संपत्ति न हो, और भुगतान की रसीदें उपलब्धक हों।

कैसे करें आयकर की गणना?

वेतन से होने वाली आय में बेसिक वेतन+एचआरए+स्पेशल भत्ता+परिवहन भत्ता +अन्य भत्ते शामिल होते हैं। वेतन में मिलने वाले कुछ भत्ते आयकर में शामिल नहीं होते हैं, जैसे कि टेलीफोन का बिल, एलटीए आदि। अगर आप एचआरए लेते हैं और किराये पर रहते हैं, तो फिर एचआरए में छूट पा सकते हैं। इसके अलावा स्टैंडर्ड डिडक्शन के तौर पर 50 हजार रुपये की छूट मिलेगी।

आय में शामिल होगा यह

एक वित्त वर्ष में हुई सभी तरह की आय को शामिल करें, जिसमें वेतन, घर से होने वाली आय (किराया और होम लोन पर ब्याज), कैपिटल गेंस (शेयरों के खरीद-फरोख्त से होने वाली आय), व्यापार या प्रोफेशन से होने वाली आय बचत खाता, फिक्सड डिपॉजिट और बॉन्ड से होने वाली ब्याज आय।

बीमा पॉलिसी कितने में आती है?

एक कप चाय

एक टर्म बीमा पॉलिसी

रू10/दिन

रू13/दिन

अधिक जानकारी के लिए मुझे फोन करें।

अस्वीकरण: गणना एलआईसी के अमुल्य जीवन योजना पर आधारित हैं। आयु - 25 साल, अवधि - 35 साल, सुनिश्चित राशि - 25 लाख

+91 73899 12003

Vision Invest Tech Pvt. ltd.
(Formerly Vision Advisory Services Pvt. Ltd.)
"Your Concern is Our Concern"

मनोज मोदी को क्यों मिला 1500 करोड़ के घर का गिफ्ट?

भोपाल। मुकेश अंबानी के राइट हैंड माने जाने वाले MM यानी मनोज मोदी के मुताबिक, रिलायंस ग्रुप में हमारा सिद्धांत बहुत सरल है, जब तक हर कोई हमारे साथ काम करते हुए पैसा नहीं कमाता, तब तक आपके पास एक स्थायी बिजनेस नहीं हो सकता। इन दिनों अंबानी द्वारा गिफ्ट किए गए 1500 करोड़ रुपये के घर को लेकर वे चर्चा में हैं।

बीते कुछ दिनों से एक नाम बेहद सुर्खियों में बना हुआ है। जी हां, हम बात कर रहे हैं रिलायंस रिटेल और जियो में डायरेक्टर मनोज मोदी की, जिन्हें एशिया के सबसे धनी व्यतक्ति में से एक मुकेश अंबानी का राइट हैंड भी कहा जाता है। वे चर्चा का सबब इसलिए बने हुए हैं, क्योंकि उन्हें अंबानी ने 22 मंजिला इमारत गिफ्ट में दी है, जिसकी कीमत 1500 करोड़ रुपये बताई जा रही है। अब आप सोच रहे होंगे कि मुकेश अंबानी ने आखिर कंपनी में एक कर्मचारी को इतना बड़ा और महंगा उपहार क्यों दिया? आइए जानते हैं इस बारे में

काम का इनाम: मनोज मोदी के मिला ये गिफ्ट कंपनी में मिली बड़ी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने, कंपनी की ग्रोथ में लगातार योगदान और बीते करीब चार दशक में कंपनी के अंदर और बाहर से उसे मजबूती देने के लिए जुटे रहने के चलते ही मिला है। भले ही मनोज मोदी पर्दे के पीछ रहते हों, लेकिन रिलायंस के हर बड़े फैसले में उनका योगदान बड़ा रहता है, फिर बात चाहे किसी नई डील की हो या फिर कंपनी से जुड़ा कोई अन्य मुद्दा। सब मामलों में मुकेश अंबानी को सबसे ज्यादा भरोसा किसी पर रहता है, तो वो शख्स मनोज मोदी ही है।

मनोज मोदी की भूमिका: अपनी काबिलियत और दिमाग के दम पर मनोज मोदी ने कई बड़ी डील्स कराने में अहम भूमिका निभाई है। ये वो सौदे रहे हैं जिनके जरिए रिलायंस ग्रुप आसमान की बुलंदियों पर पहुंचा है। इसका एक बड़ा उदाहरण रिलायंस जियो और फेसबुक के बीच हुआ सौदा भी है। अप्रैल 2020 में सोशल मीडिया दिग्गज फेसबुक के साथ रिलायंस जियो की बिग डील में भी मनोज मोदी ने अगुवाई की थी। ये 43,000 करोड़ रुपये की डील थी और रिलायंस इंडस्ट्रीज को कर्जमुक्त बनाने में इस सौदे की भूमिका काफी अहम रही थी।

इसके अलावा रिलायंस के अन्य कई बड़े प्रोजेक्ट्स के पीछे भी मनोज मोदी रहे, इनमें हजीरा पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स, जामनगर रिफाइनरी, पहला टेलीकॉम बिजनस, रिलायंस रिटेल और 4जी रोलआउट शामिल हैं। इन तमाम प्रोजेक्ट्स की अगुवाई भद्वी मनोज मोदी ने ही की है। बात करें रिलायंस ग्रुप के साथ संबंध की तो मनोज मोदी लगभग उतने ही साल से रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ जुड़े हुए हैं, जितने साल से मुकेश अंबानी अपने पारिवारिक कारोबार में भूमिका निभा रहे हैं। दरअसल, मनोज मोदी ने 1980 में रिलायंस ग्रुप ज्वाइन किया था और मुकेश अंबानी ने 1981 में अपने पिता के कारोबार में कार्य करना प्रारंभ किया था।

कॉलेज के दोस्त: मनोज मोदी को ऐसे ही मुकेश अंबानी का राइट हैंड नहीं कहा जाता है। वे अंबानी के कॉलेज के जमाने के दोस्त भी हैं। अंबानी और मोदी मुंबई के यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ कैमिकल टेक्नोलॉजी में बैचमेट थे और दोनों ने केमिकल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री प्राप्तट की है। अक्सर किसी बड़े फैसले पर मंथन के दौरान मनोज मोदी को अंबानी के साथ ही देखा जा सकता है।

एक और समानता दोनों दोस्तों में उनकी सादगी है, अंबानी और मोदी लाइमलाइट से दूर रहते हैं और बहद ही सादा पहनावे में दिखाई देते हैं। हालांकि, इस दोस्ती का 1500 करोड़ रुपये का घर गिफ्ट मिलने से कोई ताल्लुक नहीं है। बल्कि, ये बड़ा गिफ्ट कुल मिलाकर ,मनोज मोदी पर मुकेश अंबानी के भरोसे और मोदी द्वारा हर कदम पर उस भरोसे को कायम रखने का तोहफा कहा जा सकता है।

मोदी का काम करने का तरीका!

आखिर किसी डील या मुद्दे को लेकर मनोज मोदी ऐसा क्या खास करते हैं, जिससे वो मुकाम पर पहुंचती है? तो अपने काम करने के तरीके के बारे में स्वहयं मनोज मोदी ने एक कार्यक्रम के दौरान जिक्र किया था। मनोज मोदी का कहना था, कि मैं वास्तव रणनीति नहीं समझता और मेरे पास कोई दिव्य दृष्टि भी नहीं है। मैं अपनी टीम के लोगों से बातचीत करता हूं, उन्हें प्रशिक्षित करता हूं, उनका मार्गदर्शन करता हूं और कोई काम कैसे किया जा सकता है, इस पर आगे बढ़ने का हौसला देता हूं। मोदी के अनुसार, रिलायंस में हमारा सिद्धांत बहुत सरल है, जब तक हर कोई हमारे साथ काम करते हुए पैसा नहीं कमाता, तब तक आपके पास एक स्थायी बिजनेस नहीं हो सकता।

1 लाख के बना दिए 10 करोड़ रुपये

भोपाल। नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी, बजाज फाइनेंस के शेयर (Bajaj Finance Share) ने लांग टर्म निवेशकों शानदार रिटर्न दिया है। 10 साल में इस शेयर ने निवेशकों को पैसा 50 गुना बढ़ा दिया है, तो 21 साल में इस शेयर 108,358 फीसदी रिटर्न इनवेस्टरर्स को दिया है। ब्रोकरेज हाउसेज का मानना है कि इस मल्टीबैगर स्टॉक (Multibagger Stock) में आगे अभी और तेजी आएगी और यह इनवेस्टर को जबरदस्त मुनाफा देगा। कंपनी का मार्च तिमाही में मुनाफा वार्षिक आधार पर 30 फीसदी बढ़कर 3158 करोड़ रहा है। तिमाही नतीजों के बाद शेयर को लेकर ब्रोकरेज हाउस भी बुलिश नजर आ रहे हैं। आज भी एनएसई पर बजाज फाइनेंस का शेयर इंट्रा डे में 0.70 फीसदी की तेजी के साथ 6243.90 रुपये (Bajaj Finance Share Price Toda4) के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

आज से 21 साल पहले यानी 2002 इस शेयर की कीमत 5.75 रुपये थी। जो अब बढ़कर 6243 रुपये हो चुकी है। बीते 10 साल में शेयर में 4850 फीसदी के करीब या 50 गुना तेजी रही है। 10 साल के दौरान शेयर का भाव 126 रुपये से बढ़कर 6243 रुपये हो गया। यानी जिन निवेशकों ने इसमें 2013 में पैसे लगाए थे, उनका पैसा 50 गुना बढ़ गया। 5 साल के दौरान भी शेयर का रिटर्न 225 फीसदी से ज्यादा रहा है।

अगर किसी निवेशक ने आज से 21 साल पहले बजाज फाइनेंस के शेयर में 1 लाख रुपये का निवेश किया था, और उस निवेश को बनाए रखा है तो वह अब करोड़पति हो चुका है। उसके 1 लाख रुपये अब 108,573,913 रुपये हो चुके हैं। इसी तरह अगर किसी निवेशक ने दस पहले इस शेयर में एक लाख रुपये लगाए थे, तो आज उसे 4,954,761 रुपये मिल रहे हैं।

ब्रोकरेज ने दी बाय रेटिंग

फाइनेंशियल एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल ने बजाज फाइनेंस के शेयर को बाय रेटिंग दी और इसका टारगेट प्राइस 7080 रुपये तय किया है। ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि कंपनी के लिए कस्टमर एक्वीजीशन और न्यू लोन ट्रैजेरी मजबूत रही है। ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

ब्रोकरेज हाउस मॉर्गन स्टैनले ने बजाज फाइनेंस के स्टॉक को ओवरवेट रेटिंग देते हुए इसका टारगेट प्राइस 8000 रुपये तय किया है। ब्रोकरेज हाउस Share khan ने भी निवेशकों को यह शेयर खरीदने की सलाह दी है। शेयर खान का मानना है कि यह शेयर 7500 रुपये का स्तर छू सकता है। ब्रोकरेज का कहा है कि शेयर पिछले कुछ महीनों में ठीक ठाक करेक्ट हो चुका है और अभी वैल्युएशन बेहतर नजर आ रहा है।

दुनिया के सबसे अमीर सिटी की लिस्ट में बैंगलूरु

भोपाल। हेलने एंड पार्टनर्स ने दुनिया के सबसे अमीर शहरों की लिस्ट जारी की है। यहां सबसे अधिक रईसों का घर है, जिनमें करोड़पति, सेंटी-करोड़पति और अरबपति शामिल हैं। अमीर शहरों की टॉप-10 लिस्ट में कोई किसी भारतीय शहर को स्थान नहीं दिया गया है। इसमें पहले पायदान पर अमेरिका का न्यूयॉर्क शहर स्थापित है। प्रमुख बात यह है कि 1023 की इस लिस्ट में एक मात्र यूरोपियन सिटी लंदन शामिल है।

न्यूयॉर्क सिटी : अमेरिका की न्यूयॉर्क सिटी में 3,40,000 करोड़पति, 724 सेंटी-करोड़पति और 58 अरबपति हैं। ये दुनिया का सबसे धनी और सबसे ज्यादा अमीरों वाला शहर है। दुनिया के दो सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज मौजूद हैं। शहर में ब्रोंक्स, ब्रुकलिन, मैनहट्टन, क्वींस और स्टेन द्वीप के पांच नगर शामिल हैं।

टोक्यो: टोक्यो में 2,90,300 निवासी करोड़पति, 250 सेंटी-करोड़पति और 14 अरबपति हैं। ये अमीरों की तादाद के मामले में लिस्ट में दूसरे पायदान पर काबिज है। टोक्यो में दुनिया की कई बड़ी कंपनियां मौजूद हैं और इनमें प्रमुख रूप से हिताची, होंडा, मित्सुबिशी, सॉफ्टबैंक और सोनी शामिल हैं।

सैन फ्रांसिस्को : सैन फ्रांसिस्को और सिलिकॉन वैली का शहर शामिल है, यहां पर 2,85,000 करोड़पतियों का घर है। इसके साथ ही इस शहर में 629 सेंटी-करोड़पति रहते हैं। खास बात ये है कि यह अरबपतियों की संख्या के मामले में न्यूयॉर्क को भी पीछे छोड़ता है। यहां अरबपतियों की संख्या 63 है। दुनिया की अधिकांश शीर्ष टेक कंपनियां इस क्षेत्र में स्थित हैं। इनमें Adobe, Apple, Cisco, Facebook (Meta), Google (Alphabet), HP, Intel, LinkedIn, Lyft, Netflix, OpenAI, PayPal, Twitter, Uber, Yahoo औरU Zoom सहित अन्य नाम शामिल हैं।

लंदन: साल 2000 में लंदन (London) करोड़पतियों की संख्या के मामले में दुनिया का टॉप शहर हुआ करता था, लेकिन बीते 20 साल में यह लिस्ट में बहुत नीचे खिसक गया है। हालांकि, इसके बावजूद इसमें अभी भी दुनिया के कुछ सबसे विशिष्ट आवासीय उपनगर शामिल हैं, जिनमें बेलग्रेविया, चेल्सी, हैम्पस्टेड, नाइट्सब्रिज, मेफेयर, रीजेंट पार्क

और सेंट जॉन्स वुड शामिल हैं। लंदन में 2,58,000 निवासी करोड़पति, 384 सेंटी-करोड़पति और 36 अरबपति बसते हैं।

सिंगापुर : सिंगापुर को व्यापक रूप से दुनिया में सबसे अधिक व्यवसाय-अनुकूल शहर माना जाता है और करोड़पतियों के प्रवास के लिए शीर्ष शहरों में से ये एक है। ताजा हेनले वेल्थ माइग्रेशन डैशबोर्ड के अनुसार 2022 में लगभग 2,800 उच्च-नेट-वर्थ व्यक्ति यहां आकर बसे हैं। इसके बाद सिंगापुर में वर्तमान में 2,40,100 करोड़पति, 329 सेंटी-करोड़पति और 27 अरबपति हैं।

लॉस एंजेलिस : लॉस एंजेलिस में 2,05,400 करोड़पतियों के साथ-साथ 480 सेंटी-करोड़पति और 42 अरबपति रहते हैं। लॉस एंजिल्स शहर के साथ-साथ इसके पास के बेवर्ली हिल्स और मालिबू में रहने वाले अमीरों को भी आंकड़ों में शामिल किया गया है। ये शहर प्रमुख उद्योगों के साथ ही मनोरंजन, मीडिया, रियल एस्टेट, रिटेल, टेक और परिवहन सुवधाओं के मामले में भी आगे है।

हांगकांग : हांगकांग 1,29,500 करोड़पति, 290 सेंटी-करोड़पति और 32 अरबपतियों का घर है। पिछले एक दशक में खराब विकास के बावजूद, शहर दुनिया के शीर्ष फाइनेंशियल सेंटर्स में से एक बना हुआ है, एशिया के कई सबसे अमीर कारोबारी अभी भी इसे सबसे बेहतर ठिकाना मानते हैं। हांगकांग स्टॉक मार्केट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण स्टॉक एक्सचेंजों में से एक बना हुआ है।

बीजिंग : बीजिंग में 1,28,200 करोड़पति, 354 सेंटी-करोड़पति और 43 अरबपति हैं। चीन की आधिकारिक राजधानी, बीजिंग दुनिया की कई बड़ी कंपनियों का बेस भी है। इसकी अरबपति आबादी विशेष रूप से अधिक है। अरबपतियों की संख्या के मामले में इसके ऊपर केवल न्यूयॉर्क सिटी और दि बे एरिया रैंक मौजूद हैं।

शंघाई : व्यापक रूप से चीन की वित्तीय राजधानी के रूप में माने जाने वाले शंघाई शहर में 1,27,200 करोड़पति, 332 सेंटी-करोड़पति और 40 अरबपति रहते हैं। शंघाई स्टॉक एक्सचेंज मार्केट कैप (NYSE और नैस्डैक के बाद) द्वारा दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट है।

सिडनी: ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में 1,26,900 निवासी करोड़पति हैं, जबकि यहां पर 184 सेंटी-करोड़पति और 15 अरबपति रहते हैं। इस शहर ने पिछले 20 वर्षों में विशेष रूप से मजबूत धन वृद्धि का अनुभव किया है और तेजी से एशिया प्रशांत क्षेत्र के सबसे धनी शहरों में से एक बनकर उभरा है। ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि यह तेजी लगातार जारी रहेगी और सिडनी के 2040 तक दुनिया के शीर्ष 5 सबसे अमीर शहरों की लिस्ट में शामिल हो सकते हैं।

बेंगलुरु भी: अगर भारत की बात करें तो देश के बेंगलुरु शहर को भी हेनले एंड पार्टनर्स (Henley & Partners) की लिस्ट में शामिल किया गया है। गार्डन सिटी और इंडियन सिलिकॉन वैली के रूप में पहचाना जाने वाला ये शहर सबसे तेजी से बढ़ते अमीरों वाले शहरों की लिस्ट में रखा गया है। बेंगलुरु में टेक सेक्टर तेजी से ग्रोथ कर रहा है।

BNI BHOPAL के बढ़ते कदम...

भोपाल में बीएनआई की शुरूआत 24 जुलाई 2019 में बीएनआई के एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर प्रदीप करम्बेलकर जी के द्वारा बीएनआई विजन चेप्टर के साथ की गई थी। वर्तमान में बीएनआई भोपाल के पांच चेप्टर संचालित हो रहे हैं और छटवां चेप्टर मार्च में **'बीएनआई फॉर्चून'** नाम से लांच होने वाला है। बीएनआई भोपाल के द्वारा 2 वर्ष के कॉरोना काल में भी लगातार कार्य जारी रखा गया, जिसका परिणाम ही है कि बीएनआई भोपाल में कोरोना काल से अब तक सभी चेप्टरों के माध्यम से 300 से अधिक सदस्य बन चुके हैं, साथ ही इन बीएनआई के सदस्यों द्वारा लगभग 400 करोड़ रुपए का बिजनेस सफलतापूर्वक किया गया।

BNI VISION

BNI PRESTIGE

BNI DYNAMIC

संपादकीय

■अवनीश तिवारी | सहायक संपादक

सोशल मीडिया पर मिल रही गलत फाइनेंशियल सलाह के फेर में निवेश न करें

सोशल मीडिया का उपयोग आजकल इतना अधिक हो गया है कि हर विषय पर संबंधित जानकारी हमें सोशल मीडिया के माध्यम से सरलता से मिल जाती है, और हम आंखें बंद करके उस पर विश्वास कर लेते हैं जिससे बाद में हमें नुकसान का सामना भी करना पड़ सकता है। उल्लेखनीय है कि मार्केट रेगुलेटर सेबी ने 6 लोगों के खिलाफ गलत फाइनेंस सलाह देने पर सख्त कार्रवाई की है। इन 6 लोगों पर आरोप था कि ये लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम के माध्यम से लोगों से स्पेसिफिक स्टॉक्स पर पैसे लगवाने की राय दे रहे थे और साथ ही स्टॉक्स को लेकर लोगों को गलत जानकारी भी दे रहे थे।

सेबी को इस मामले की सूचना मिलते ही इन 6 लोगों पर 3 वर्ष का बैन लग दिया है। इसके अलावा, इन 6 लोगों पर 5.8 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। इससे पहले यूट्यूब पर भी शेयर के मामले में जानकारी देने के मामले में एक विख्यात एक्टर के खिलाफ सेबी कार्यवाही कर चुका है। यह मामले समाने आने पर सेबी ने इन लोगों पर कार्यवाही की लेकिन कई मामले ऐसे हैं जिनकी जानकारी सेबी को नहीं होती है। ऐसी स्थिति में निवेशकों को इसका नुकसान भुगतना पड़ता है। चूंकि सोशल मीडिया का उपयोग लोगों बहुत करते हैं इसलिए वह आसानी से इसके शिकार बन जाते हैं किसी भी निवेशक को सोशल मीडिया का उपयोग करके गलत सूचनाओं के माध्यम से प्रभावित किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में सबसे अच्छा यह होगा कि किसी भी प्रकार की शेयर संबंधी जानकारी मिलने पर अपने निवेश सलाहकार की मदद लें ताकि आपकी उचित मदद हो सकें। बिना सोचे समझे किसी भी सूचना पर विश्वास करके निवेश करने की गलती न करें।

निवेश करने वालों के लिए मंगल संदेश

पीओएमआईएस में निवेश की सीमा बढ़ी, जानें विवरण

भोपाल। पीओएमआईएस के ब्याज दरों में समीक्षा और संशोधन सरकार हर तिमाही में करती है। सरकार ने अप्रैल से जून 2023 तिमाही के लिए ब्याज दर में बढ़ोतरी की घोषणा की है। 1 अप्रैल, 2023 से इस योजना में किए गए नए निवेश पर प्रति वर्ष 7.4% की ब्याज दर मिलेगी। ब्याज दर में 0.30% की वृद्धि की गई है जो पहले 7.1% थी।

वित्त मंत्रालय ने डाकघर मासिक आय योजना (पीओ एमआईएस) में निवेश सीमा बढ़ा दी है। वित्त मंत्रालय की ओर से 31 मार्च, 2023 को जारी अधिसूचना के अनुसार एक व्यक्ति अब पीओएमआईएस के एकल खाते में अधिकतम 9 लाख रुपये और संयुक्त खाते में 15 लाख रुपये का निवेश कर सकता है। इससे पहले एकल और संयुक्त खातों में निवेश की समयसीमा क्रमश: 4.5 लाख रुपये और नौ लाख रुपये थी। पीओ एमआईएस के तहत निवेश सीमा में वृद्धि की घोषणा बजट 2023 में की गई थी।

इस योजना का इस्तेमाल करते हैं जो मासिक आय के सुरक्षित निवेश के उपाय के तौर पर किया जाता है। वरिष्ठ नागरिक भी अधिक मासिक ब्याज पाने के लिए इस योजना में निवेश कर सकते हैं।

पीओएमआईएस के ब्याज दरों में समीक्षा और संशोधन सरकार हर तिमाही में करती है। सरकार ने अप्रैल से जून 2023 तिमाही के लिए ब्याज दर में बढ़ोतरी की घोषणा की है। 1 अप्रैल, 2023 से इस योजना में किए गए नए निवेश पर प्रति वर्ष 7.4% की ब्याज दर मिलेगी। ब्याज दर में 0.30% की वृद्धि की गई है जो पहले 7.1% थी।

WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

Anil Bhardwaj
Technical Head
anilstockcare@gmail.com

All level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is Trigger Point for buy/sell Based on the price range of the previous Month R1: Resistance one: 1st Resistance over PP. R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1.S1: Support one: 1st support after PP. S2: Support Two: 2nd support after S1. 1)

- As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and teh first target would be R1.2)
- If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1. 3)
- If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
- Similarly if price goes below PP the trader should SELL and keep the PP as stop loss and the first target would be S1.
- If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1.
- If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

1	Stock name	R3	R2	R1	PP	S1	S2	S3
2	NIFTY	18156	17998	17913	17755	17670	17512	17427
3	BANK NIFTY	43758	42976	42554	41772	41350	40568	40146
4	ACC	1857	1814	1791	1748	1725	1682	1659
5	ALKYAMINES	2783	2631	2529	2377	2275	2123	2021
6	AXISBANK	897	882	873	858	849	834	825
7	BHARTIARTL	789	779	772	762	755	745	738
8	CIPLA	954	938	926	910	898	882	870
9	DLF	456	436	424	404	392	372	360
10	ESCORTS	2021	1975	1923	1877	1825	1779	1727
11	GSPL	293	286	281	274	269	263	257
12	HDFC	2891	2841	2814	2764	2737	2687	2660
13	HDFCBANK	1753	1725	1708	1680	1664	1635	1618
14	HCLTECH	1147	1128	1100	1081	1053	1034	1006
15	HINDALCO	445	434	428	417	411	400	394
16	HINDUNILVR	2612	2590	2563	2541	2514	2492	2465
17	IRCT	624	60	601	586	578	563	555
18	ICICIBANK	947	924	911	888	875	852	839
19	ICICISECURITIES	479	473	464	458	449	443	434
20	IEX	168	162	158	153	149	144	140
21	INFY	1472	1453	1421	1402	1370	1351	1319
22	ITC	414	406	401	393	388	380	375
23	KOTAKBNK	2036	1955	1912	1831	1788	1707	1664
24	LT	2398	2363	2311	2276	2224	2189	2137
25	LUPIN	714	699	685	671	657	643	629
26	M&M	1276	1249	1227	1200	1178	1151	1129
27	MARUTI	9090	8899	8785	8594	8480	8289	8175
28	NCC	112	110	109	107	106	104	103
29	RELIANCE	2421	2394	2375	2348	2329	2302	2283
30	SBIN	548	542	537	531	526	520	515
31	SBICARD	795	778	768	751	741	724	714
32	SUNPHARMA	1038	1030	1017	1009	996	988	975
33	TITAN	2645	2624	2605	2584	2565	2544	2525
34	TCS	3353	3283	3244	3174	3135	3065	3026
35	TATASTEEL	113	110	109	106	105	102	101
36	TATAMOTORS	501	487	478	464	455	441	432
37	WIPRO	382	379	373	369	364	360	355

UPI for NRIs with international mobile numbers: Who can use, how to use, how it will benefit, explained

Non-resident Indians (NRIs) will be able to access Unified Payments Interface (UPI) on their international mobile numbers. The National Payments Corporation of India (NPCI) has allowed NRIs living in 10 countries to use UPI using their international mobile numbers for bank accounts which are classified as Non-Resident External (NRE) or Non-Resident Ordinary (NRO) accounts. ET Online explains all you need to know.

UPI on international mobile numbers for NRIs: What has changed

Until recently, an NRI would require a valid Indian mobile number to set up a UPI ID for any application. When a user activates UPI from an application, the app then sends an SMS from the number confirming that the mobile number is linked to the bank account.

So, those who moved overseas had to keep their Indian mobile numbers active, if they wanted to use UPI in India. It would come with the cost of maintaining the phone number and paying an amount to recharge it every month. Now, these NRIs can use UPI with their international or non-Indian mobile numbers. This move will eliminate the maintenance cost of keeping an Indian mobile number active for NRIs.

- **Which NRIs can use UPI with their international mobile numbers?**

During the first phase of the roll-out, UPI can be used by NRI mobile numbers having country codes of Singapore, Australia, Canada, Hong Kong, Oman, Qatar, USA, Saudi Arabia, United Arab Emirates, and the United Kingdom, as per an NPCI circular released on January 10, 2023.

- **UPI on international mobile numbers: What are the conditions?**

1) Mobile numbers of NRIs must be linked with NRO or NRE accounts to activate UPI with international mobile numbers.

2) Moreover, the NRE or NRO accounts should be Know your Customer or KYC compliant to activate UPI, Praveena Rai, COO of NPCI told ET Now.

The member bank where the customer has an NRE or NRO account must ensure that the required KYC is done and other necessary regulations including the Foreign Exchange Management Act or FEMA are followed, NPCI said earlier.

"The onus of compliance will rest with the respective banks. Member banks must ensure NRE or NRO accounts are only allowed as per the extant FEMA (Foreign Exchange Management Act) regulations and adherence to the guidelines/instructions issued by the concerned regulatory departments of the Reserve Bank of India (RBI) from time to time," according to NPCI circular released earlier.

"All necessary anti-money laundering (AML)/combating of financing of terrorism (CFT) checks and compliance validation/account level validations as per the extant rules applicable under the regulatory guidelines shall be the responsibility of the remitter/beneficiary banks," it added.

- **When does it come into effect?**

NPCI has asked all the members to comply with this directive by April 30, 2023.

- **How will this move benefit NRIs?**

"The major convenience factor would be in the form of 'payment or money transfer convenience' for NRIs when they visit India and can pay easily across millions of Indian merchants accepting UPI, thus, now they can do away with the use of their expensive international cards," said Vishwas Patel, Chairman, Payments Council of India and Executive Director, Infibeam Avenues Ltd said on the announcement.

"This will not only help NRIs use UPI when they travel to India but when UPI comes to merchants in the country of their residence they can start making instant transfers," said Mandar Agashe, Founder of Sarvatra Technologies, a banking technology solutions provider. "NRIs will just need to link their NRE and NRO accounts linked to their international SIM to UPI and use it like any other Indian UPI user for merchant payment as well as peer-to-peer payments," he added.

Curtsey: https://economictimes.indiatimes.com/

Vision Invest Tech Pvt. ltd.
(Formerly Vision Advisory Services Pvt. Ltd.)
"Your Concern is Our Concern"®
Head Office: Dutt Mandir Commercial Hall, Behind Dutt Mandir, Aside to Gurudwara E-4, Arera Colony, Bhopal, Madhya Pradesh-462016, Ph.: 0755-4933408 | M.: +91 98262 23075
www.visioninvesttech.com | www.mpincubator.com | www.sewa1.com | www.investmentavenues.in

> मधुमक्खी पालन का बिजनेस कोई भी शुरू कर सकता है। खेती-किसानी करने वाले कई लोग यह बिजनेस कर रहे हैं। वहीं कई एंटरप्रेन्योर भी इसमें हाथ आजमा रहे हैं। इसे शुरू करने में बहुत ज्यादा लागत भी नहीं आती है। वहीं इससे आपको मुनाफा तगड़ा मिलता है। यह बिजनेस शुरू करने के लिए आपको मधुमक्खियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना पड़ता है। मधुमक्खियां जंगली कीट हैं। इसलिए इन्हें उनकी आदतों के अनुकूल कृत्रिम ग्रह का निर्माण करना पड़ता है।

हनी और मनी चाहिए तो करें मधुमक्खी पालन का बिजनेस

नई दिल्ली। मौजूदा समय में बढ़ती महंगाई के कारण ज्यादातर लोग अपनी नौकरी के साथ-साथ एक्स्ट्रा इनकम का भी साधन तलाशने लगे हैं। ऐसे में अगर आप भी किसी ऐसे बिजनेस की तलाश में हैं जिसे आप साइड बिजनेस के तौर पर करना चाहते हैं तो हम आपके लिए एक शानदार आइडिया लेकर आए हैं। इस बिजनेस को आप अपने काम के साथ-साथ खाली समय में चला सकते हैं। यह आपको हर महीने अच्छी खासी कमाई करा सकता है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं मधुमक्खी पालन के बिजनेस के बारे में। यह बिजनेस शुरू करने के लिए आपको ज्यादा निवेश नहीं करना पड़ता है। कम लागत में शुरू होने वाले इस बिजनेस के लिए सरकार आपको सब्सिडी भी देती है, जिससे आपका काम और आसान हो जाता है। जब यह बिजनेस चल पड़ता है तो आप हर महीने लाखों रुपये घर बैठे कमा सकते हैं। इससे जुड़े आपके सारे सवालों के जवाब हम आपको यहां बता रहे हैं।

जानें, कैसे शुरू करें ये बिजनेस?

मधुमक्खी पालन का बिजनेस कोई भी शुरू कर सकता है। खेती-किसानी करने वाले कई लोग यह बिजनेस कर रहे हैं। वहीं कई एंटरप्रेन्योर भी इसमें हाथ आजमा रहे हैं। इसे शुरू करने में बहुत ज्यादा लागत भी नहीं आती है। वहीं इससे आपको मुनाफा तगड़ा मिलता है। यह बिजनेस शुरू करने के लिए आपको मधुमक्खियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना पड़ता है। मधुमक्खियां जंगली कीट हैं। इसलिए इन्हें उनकी आदतों के अनुकूल कृत्रिम ग्रह का निर्माण करना पड़ता है। मधुमक्खी पालन का बिजनेस शुरू करने के लिए आपको सबसे पहले इससे जुड़ी जरूरी ट्रेनिंग लेनी होगी। आप किसी पेशेवर मधुमक्खी पालक से मिलकर इस बिजनेस को चलाने और मधुमक्खियों के रखरखाव आदि के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। फिर आपको मधुमक्खियों के लिए कॉलोनी तैयार करनी होगी। इसके बाद आपको पहली फसल के बाद अपने मधुमक्खी पालन के बिजनेस का आकलन कर सकते हैं। मधुमक्खियों और पित्ती के स्वास्थ्य की नियमित जांच करते रहें। इसे शुरू करने के लिए आप अपने शहर या काउंटी क्लर्क के कार्यालय से कारोबार का लाइसेंस लेना पड़ता है।

सरकार देगी 85 प्रतिशत तक सब्सिडी

मधुमक्खी पालन से शहद के अलावा और भी कई प्रोडक्ट तैयार किए जाते हैं। इनमें बीज़वैक्स, रॉयल जेली, प्रोपोलिस या मधुमक्खी गोंद, मधुमक्खी पराग आदि प्रमुख हैं। ये सभी प्रोडक्ट्स इंसानों के लिए बहुत फायदेमंद हैं और बाजार में बहुत महंगे बिकते हैं। इस बिजनेस को शुरू करने के लिए सरकार आपको 85 प्रतिशत तक सब्सिडी देती है। इससे आपको बिजनेस शुरू करने में काफी मदद मिल जाती है। मार्केट में हाई डिमांड के कारण इस बिजनेस के असफल होने की कोई गुंजाइश नहीं है।

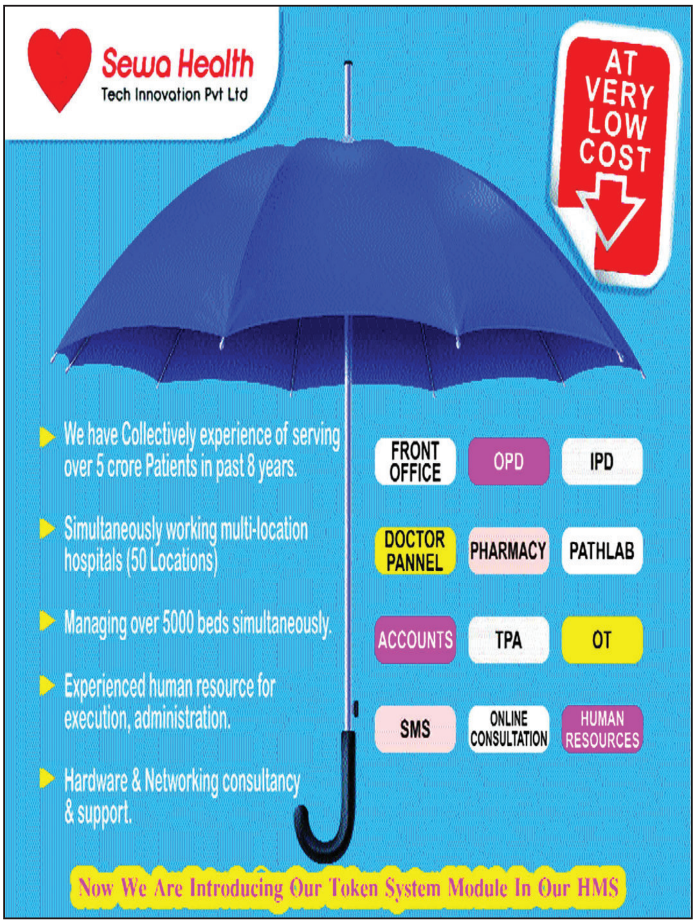

प्रकाशक एवं मुद्रक : प्रदीप करम्बेलकर, सी-101, नेहरू नगर द्वारा स्वात्वाधिकार विजन एडवायजरी सर्विसेस प्रा.लि. प्लॉट नं.-36, ई-सेकण्ड फ्लोर, जोन-2, एम.पी. नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित एवं महक ग्राफिक्स एण्ड ऑफसेट, प्लॉट नं.-4, वैभव काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक प्रदीप करम्बेलकर (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) फोन : 91-0755-2555186, 2555217 वेबसाइट : 222.investmentavenues.in ईमेल : contactinvestmentavenues@gmail.com